web: www.nyaysakshi.com | पृष्ठ-2 में पढ़ें संपादकीय-खेल-व्यापार-धर्म-खाना खजाना-राशिफल | पृष्ठ-3 में पढ़ें छत्तीसगढ़-प्रादेशिक

दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्याससाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, सोमवार 10 जुलाई 2023 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-05, अंक- 282

महत्वपूर्ण एवं खास

अब कूनो से बाहर जंगल में रह सकेंगे चीते

ग्वालियर (आरएनएस)। कूनो नेशनल पार्क के जंगल में विचरण कर रहे चीते यदि नजदीकी जंगल में जाते हैं और रहते हैं तो रहने दिया जाएगा। यदि चीतों को या फिर चीतों से किसी को खतरा नहीं होगा तो उन्हें ट्रैक्युलाइज कर वापस नहीं लाया जाएगा। यह निर्णय ग्वालियर में हुई चीफ स्टेचरिंग कमेटी की बैठक में लिया गया। बैठक में उत्तर प्रदेश के अधिकारी भी शामिल हुए थे। अब चीते अगर उत्तर प्रदेश या दूसरी रेंज के जंगल में जाते हैं उन्हें वहां भी रहने दिया जाएगा। डीएफओ पीके वर्मा ने बताया कि चीतों के लिए अब जंगल की सीमा नहीं होगी। चीते अगर कूनो से नजदीकी राजस्थान या उत्तर प्रदेश के जंगल में भी जाएंगे तो ट्रैकिंग टीम उनके पीछे जाकर निगरानी करेगी। उत्तर प्रदेश या दूसरे जंगल में स्थानीय अमला टीम की मदद करेगा। कूनो के जंगल में दस चीते नर पवन, मादा आशा, चीता धौरा, वीरा, गामिनी, धावी, निर्वा, नर चीता गौरव, सूरज, शौर्य रह रहे हैं। सात नर-मादा चीते और एक शावक बाड़े में है। चीतों को बार-बार ट्रैकुलाइज नहीं किया जाएगा पवन और आशा के कूनो से निकलकर दूसरे जंगल में जाने की आदत से ही मानीटरिंग कर रहे अफसरों ने रेंज फ्री किए जाने पर विचार किया। यह निर्णय लिया गया कि नामीबिया और दक्षिण अफ्रीका से लाए गए चीतों को लंबे समय तक बाड़े में या निश्चित सीमा के जंगल में रखना ठीक नहीं है।

भयानक विमान हादसा : जमीन पर जलता हुआ दिखा प्लेन, 6 यात्रियों की मौत

मुरिएटा । दक्षिण कैलिफॉर्निया में विमान दुर्घटना में 6 लोगों की मौत हो गई। दुर्घटना लॉस एंजिलिस और सैन डिएगो के बीच कैलिफॉर्निया के मुरिएटा शहर में हवाई अड्डे के निकट हुई। 'केटीएलए' टीवी स्टेशन की खबर के अनुसार विमान लास वेगास में हैरी रीड अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से रवाना हुआ था। संघीय उड्डयन प्रशासन के अनुसार यह सेसना सी550 वाणिज्यिक विमान था। रिवरसाइड काउंटी अग्निशमन विभाग के अनुसार, अधिकारियों को तडक़े सवा 4 बजे के बाद जलता हुआ विमान मिला, जिसके तुरंत बाद विमान में सवार छह लोगों को घटनास्थल पर ही मृत घोषित कर दिया गया। दुर्घटना में मारे गए लोगों की पहचान सार्वजनिक नहीं की गई है।

यात्री वैन में लगे गैस सिलेंडर में रिसाव से विस्फोट, 7 लोगों की मौत, 14 घायल

इस्लामाबाद । पाकिस्तान के पूर्वी पंजाब प्रांत में एक यात्री वैन में आग लग गई जिसमें जलकर कम से कम सात लोगों की मौत हो गई जबकि 14 अन्य लोग घायल हो गए। यह जानकारी पुलिस अधिकारियों ने रविवार को दी। पुलिस ने कहा कि यह दुर्घटना पूर्वी पंजाब प्रांत के सरगोधा जिले के भलवाल शहर में वैन में लगे गैस सिलेंडर में रिसाव के कारण हुई जिसके बाद उसमें विस्फोट हो गया। इसके बाद पांच लोगों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य लोगों ने अस्पताल ले जाते समय दम तोड़ दिया। पुलिस के अनुसार, इसमें कम से कम 14 यात्री जलने से घायल हो गए जिनमें महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। एक प्रत्यक्षदर्शी के अनुसार, इस आग में कई शव इतनी बुरी तरह जल चुके थे कि उनकी पहचान नहीं की जा सकती थी।

6 बच्चों की मां प्रेमी संग फरार, मदद के लिए पुलिस के पास पहुंचा पति

नई दिल्ली (आरएनएस)। बिहार में एक बहुत ही चौंकाने वाला सामने आया है। यहां एक छह बच्चों की एक महिला अपने प्रेमी के साथ फरार हो गई। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक घटना कैमूर जिले की है। मामले से जुड़े एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि छह बच्चों को छोडक़र प्रेमी के साथ भागी महिला के पति ने शिकायत दर्ज करवाई है। बताया जा रहा है कि महिला ने हाल ही में अपनी एक बेटी की शादी की थी। भागने के बाद महिला के पति ने भगवानपुर थाने में एफआईआर दर्ज कराई और पुलिस अधिकारियों से अपनी पत्नी का पता लगाने की गुहार लगाई। पीड़ित ने एफआईआर में दावा किया कि वह उस व्यक्ति को नहीं जानता जिसके साथ उसकी पत्नी भागी है। महिला का मोबाइल फोन ऑन था लेकिन वह उसके और बच्चों द्वारा की जा रही कॉल रिसीव नहीं कर रही थी। शिकायत में व्यक्ति ने कहा कि कभी-कभी, फोन एक पुरुष द्वारा रिसीव किया जाता था और वह अभद्र भाषा का प्रयोग करता था।

उत्तर भारत में बारिश के कहर से 14 लोगों की मौत, आईएमडी ने जारी किया 8 राज्यों में बारिश का अलर्ट

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारत के कई राज्यों में मानसून सक्रिय होने के साथ तेज बारिश से बाढ जैसी स्थिति बन गई है। वहीं उत्तर भारत के कई राज्यों में हो रही इस बारिश के कारण 14 लोगों की मौत हो गई हैं। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने रविवार को हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब और हरियाणा के आसपास के इलाकों में 'बेहद भारी बारिश' की भविष्यवाणी की है।

आईएमडी ने उत्तर प्रदेश में 10 जुलाई से 13 जुलाई के बीच भारी बारिश की भी भविष्यवाणी की है। आईएमडी ने कहा कि पश्चिमी हिमालय क्षेत्र, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, राजस्थान और उत्तर प्रदेश में दो दिनों तक भारी से बहुत भारी बारिश के साथ हल्की से मध्यम बारिश होगी। पश्चिम भारत में हल्की से मध्यम बारिश होगी। वहीं कोंकण और गोवा, महाराष्ट्र और गुजरात के घाट क्षेत्रों में अलग-अलग जगहों पर भारी बारिश जारी रहेगी। तीन दिनों के बाद बारिश में कमी आने की उम्मीद है।

आईएमडी ने आगे कहा कि अगले पांच दिनों के दौरान उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम, असम और मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, नागालैंड, मणिपुर में भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना है। अगले पांच दिनों के दौरान ओडिशा में छिटपुट भारी वर्षा होने की संभावना है और 10 जुलाई से 12 जुलाई के बीच झारखंड, अंडमान-निकोबार द्वीप समूह और बिहार में भारी वर्षा होने की उम्मीद है। मध्य भारत में, मध्य प्रदेश में अगले पांच दिनों के दौरान भारी वर्षा होने की संभावना है। इसी तरह, दक्षिण भारत में, तटीय कर्नाटक और केरल में अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा होने की संभावना है।

भारी बारिश के बीच नवनिर्मित सरकारी स्कूल की गिरी दीवार

नई दिल्ली (आरएनएस)। दिल्ली के श्रीनिवासपुरी में रविवार को बारिश के बीच एक नवनिर्मित स्कूल की दीवार गिर गई। श्रीनिवासपुरी दिल्ली की शिक्षा मंत्री आतिशी का विधानसभा क्षेत्र है। यह स्कूल करीब चार महीने पहले करीब 16 करोड़ रुपये की लागत से बनाया गया था। भारतीय मौसम विभाग ने रविवार के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। आईएमडी के मुताबिक, दिल्ली में 7.5 मिमी से 15 मिमी बारिश होने की संभावना है, जिससे अधिक परेशानी हो सकती है। बारिश के कारण शनिवार को राष्ट्रीय राजधानी में विभिन्न स्थानों पर 15 मकान गिर गए। रविवार सुबह भी एक घर गिर गया। पिछले दो दिनों से पूरे एनसीआर (राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र) में भारी बारिश हो रही है, जिससे गंभीर जलजमाव की समस्या पैदा हो गई है और यातायात प्रभावित हुआ है।

पंजाब-हरियाणा सहित उत्तर भारत में बारिश का सितम, अलर्ट जारी; मंत्रियों-अफसरों की छुट्टी रद्द

नई दिल्ली (आरएनएस)। देश के अधिकांश हिस्सों में बारिश का दौर जारी है। इस बारे में जानकारी देते मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने दिल्ली, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, राजस्थान, पंजाब और जम्मू-कश्मीर में भारी से अत्यधिक भारी बारिश की भविष्यवाणी की है। आईएमडी ने कहा कि पश्चिमी विक्षोभ उत्तर भारत में व्याप्त है, जिसके कारण कल भारी बारिश हुई, जिसमें दिल्ली भी शामिल है, जहां सीजन की पहली भारी बारिश हुई। दिल्ली में रविवार सुबह साढ़े 8 बजे तक पिछले 24 घंटे में 153 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई, जो 1982 के बाद से जुलाई में एक दिन में हुई सर्वाधिक बारिश है। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने ट्वीट कर कहा कि कल की बारिश को देखते हुए सभी अफसरों की छुट्टी कैंसल कर दी गई है। मॉनसून सीजन की कुल बारिश का 15त्न महज 12 घंटे में ही हो गया। आज दिल्ली के सभी मंत्री और मेयर संबंधित क्षेत्रों का दौरा करेंगे। सभी विभागों के अफ़सरों को संडे की छुट्टी रद्द कर दी गई है और उन्हें ग्राउंड पर उतरने के निर्देश दिए गए हैं। राष्ट्रीय राजधानी के कई हिस्सों में जलभराव के कारण यातायात जाम हो गया। आज भी शहर और आसपास के इलाकों में भारी बारिश जारी रही।

पवित्र जलस्रोतों के जल से होगा रामलला का जलाभिषेक

लखनऊ (आरएनएस)। रामनगरी अयोध्या में राममंदिर का निर्माण काफी तेज गति से चल रहा है। मंदिर में-प्राण प्रतिष्ठा को भव्य बनाने की तैयारी भी जोरशोर से हो रही है। प्राण-प्रतिष्ठा के अवसर को इतिहास के पन्ने में दर्ज कराने के लिए प्रभु राम की मूर्ति का जलाभिषेक देश के प्रमुख व पवित्र जलस्रोतों से एकत्र जल से किया जाएगा। विश्व हिंदू परिषद की मानें तो रामलला की मूर्ति का शास्त्रीय विधान से जलाभिषेक करवाने की पूरी तैयारी है। विश्व हिंदू परिषद के अंतर राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष आलोक कुमार ने बताया कि कुएं, तलाब, झील, नदी और जितने भी पुण्य स्थल हैं, वहां का जल एकत्रित किया जाएगा और उससे जलाभिषेक किया जाएगा। गंगा, यमुना, गोदावरी, सतलुज, राप्ती, नर्मदा, सोन समेत प्रमुख सभी नदियों का पवित्र जल होगा। इसके अलावा बद्रीधाम स्थित नारद कुंड, अमृतसर के स्वर्ण मंदिर के सरोवर से जल भी होगा।

इसी तरह बिहार के गया स्थित पवित्र नदी फल्गु, हरियाणा के कुरुक्षेत्र स्थित सूर्य सरोवर, राजस्थान के पुष्कर सरोवर तथा दिल्ली स्थित गुरुद्वारा सीसगंज साहिब स्थित कुआं, जिसमें गुरु तेगबहादुर ने स्नान किया था, वहां के जल को भी अयोध्या भेजा जाएगा।

उन्होंने बताया, रायपुर में विहिप की केंद्रीय प्रबंध समिति की बैठक में तय हुआ कि देशभर के जलस्रोतों से इकट्ठा किए गए जल से प्रभु राम का जलाभिषेक किया जाए। इसकी शुरुआत मूर्ति की प्राण-प्रतिष्ठा के 10 दिन पहले से चलेगी। औसतन 200-200 ग्राम जल तांबे के बर्तन में धार्मिक अनुष्ठान के बाद रखा जाएगा। फिर इसे कूरियर से अयोध्या भेजने की प्रक्रिया अपनाई जाएगी, जिसे अयोध्या में एक टैंक में इकट्ठा किया जाएगा।

धर्म-कर्म के जानकार प्रसिद्ध शास्त्री सरोजकांत मिश्रा कहते हैं कि अभिषेक का मतलब होता है सिंचन करना। पुराने काल में जब किसी को राजा बनाया जाता था तो उसके सिर पर अभिमंत्रित जल की वर्षा की जाती थी। इसके लिए पवित्र नदियों के जल को एकत्रित किया जाता था। उसके बाद राजा को नहलाया जाता था।

राम मंदिर में होने वाले प्राण-प्रतिष्ठा कार्यक्रम को लेकर शासन-प्रशासन ने तैयारी शुरू कर दी है। मुख्य सचिव दुर्गाशंकर मिश्रा ने अयोध्या में आने वाले लाखों श्रद्धालुओं के लिए पर्याप्त मात्रा में होटल, रेस्तरां, डॉरमेट्री और धर्मशाला खुलवाने के निर्देश दिए हैं।

तीर्थयात्रियों से भरा वाहन गंगा नदी में गिरा, कई लोग लापता

देहरादून (आरएनएस)। उत्तराखंड में चारधाम यात्रा पर आए विभिन्न राज्यों के तीर्थयात्रियों से भरा एक वाहन रविवार सुबह गंगा नदी में गिर गया। हादसे के बाद पांच लोगों को बाहर निकाल लिया गया, जबकि छह यात्री अभी लापता हैं, जिनकी तलाश की जा रही है। पुलिस अधीक्षक टिहरी गढ़वाल, नवनीत सिंह भुल्लर ने बताया कि आज तडक़े 3.00 बजे चौकी ब्यासी, थाना मुनि की रेती पर सूचना प्राप्त हुई कि एक वाहन जो सोनप्रयाग से ऋषिकेश आ रहा था, मालाकुंती पुल से होटल आनंद काशी के बीच में राष्ट्रीय राजमार्ग से नीचे गहरी खाई में गिर गया है।

उन्होंने बताया कि सूचना मिलने के बाद तत्काल थाना पुलिस और एसडीआरएफ द्वारा मौके पर पहुंचकर, गंगा नदी से पांच व्यक्तियों को बाहर निकाला है। उन्होंने बताया कि वाहन में चालक सहित कुल ग्यारह यात्री सवार थे। भुल्लर ने बताया कि बिजेंदर पुत्र जगदीश पांडे (46), निवासी बदरपुर, दिल्ली, आकाश (22) पुत्र तेज सिंह, प्रदीप कुमार (27) पुत्र महेंद्र सिंह, निवासी शाहपुर, पंजाब, रोशन कुमार (25) पुत्र सुबोध, निवासी नालंदा, बिहार, और हरियाणवी पत्नी रवि सिंह (25), निवासी हैदराबाद को सकुशल निकाल लिया गया है। सभी को एंबुलेंस के माध्यम से तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया है।

पुलिस अधीक्षक के अनुसार चालक सहित अन्य छह लोगों की तलाश जारी है। जिनका नाम, पता रेस्क्यू किए गए यात्रियों द्वारा अभिजीत त्यागी, निवासी भोजपुर, भजन गढ़, दिल्ली, अतुल सिंह पुत्र विनोद, निवासी शिवपुरी, बिहार, अक्षय कुमार पुत्र मनोज सिंह, निवासी बिहार, सौरभ कुमार, रवि पुत्र अज्ञात हैदराबाद और मैक्स वाहन चालक नाम, पता अज्ञात अभी लापता हैं। इनकी तलाश लगातार जारी है।

रेस्क्यू किए गए यात्रियों द्वारा बताया गया कि वे सभी लोग अलग-अलग स्थानों के रहने वाले है। आठ जुलाई को वे सभी सोनप्रयाग से समय रात्रि 8: 00 बजे एक मैक्स गाड़ी में बैठे थे एवम आज तडक़े तीन बजे के करीब मालाकुंठी पुल से आगे गुलर की तरफ पहाड़ से बारिश में अचानक पत्थर गिरने के कारण गाड़ी अनियंत्रित हो गई और गाड़ी सीधे नदी में जा गिरी।

अब विश्वविद्यालयों में एडमिशन केन्सल कराने पर भी छात्रों को वापस मिलेगी फीस

नई दिल्ली (आरएनएस)। उच्च शिक्षण संस्थानों में दाखिले के इच्छुक छात्र अब यदि अपना दाखिला स्वयं ही कैंसिल कराते हैं तो ऐसी स्थिति में भी उनकी फीस वापस मिल जाएगी। देश भर के कॉलेजों व विश्वविद्यालयों को इस बाबत स्पष्ट निर्देश जारी किए गए हैं। सरकार द्वारा जारी किए गए इन निर्देशों में कहा गया है कि दाखिला रद्द करवाने पर छात्रों को उनकी फीस वापस लौटाने ही पड़ेगी।

दरअसल ऐसे कई मामले सामने आए हैं जब छात्रों ने एक संस्थान में फीस जमा कराई, लेकिन सेशन लेट होने या फिर किसी अन्य कारणों से जब छात्रों ने दूसरे संस्थानों में दाखिला लिया तो उन्हें पुराने संस्थान ने फीस वापस नहीं लौटाई। नोएडा के एक्यूरेट इंस्टीट्यूट आफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी में बी फार्मा के लिए आवेदन करने वाली एक छात्रा ने बताया कि बीते वर्ष सितंबर में उन्होंने यहां दाखिला लिया। लेकिन सत्र शुरु न होने की स्थिति में छात्रा ने अपना दाखिला रद्द करवा के किसी दूसरे शिक्षण संस्थान में दाखिला लिया।

दाखिला रद्द करवाने के साथ ही छात्रा ने फीस वापसी के लिए कई बार आवेदन किया, लेकिन 10 महीने से अधिक का समय बीत जाने के बावजूद संस्थान ने छात्रा द्वारा अदा की गई 80 हजार रुपए से अधिक की फीस नहीं लौटाई। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग यानी यूजीसी ने अब शिक्षण संस्थानों को फीस वापस करने का निर्देश जारी किया है। कॉलेजों व विश्वविद्यालयों के लिए जारी किए गए निर्देश में कहा गया है कि जो छात्र अपना दाखिला एक जगह से रद्द कराकर दूसरी जगह एडमिशन लेना चाहते हैं उन्हें उनकी पूरी फीस लौटाई जाए।

यदि छात्र एडमिशन रद्द कराने की सूचना देने में विलंब करते हैं तो ऐसी स्थिति में कॉलेज या विश्वविद्यालय केवल एक छोटा एमाउंट प्रोसेसिंग फीस के नाम पर काट सकते हैं। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने मौजूदा शैक्षणिक सत्र यानी वर्ष 2023-24 के लिए यह फीस रिफंड पॉलिसी तैयार की है की है। आयोग द्वारा तैयार की गई छात्र फ्रेंडली इस पॉलिसी में सभी देशभर के सभी विश्वविद्यालयों को फीस वापसी के संदर्भ में सख्त हिदायत दी गई है।

यूजीसी द्वारा विश्वविद्यालयों व कॉलेजों से कहा गया है कि जो छात्र एक शिक्षण संस्थान से अपना दाखिला रद्द करवाने के उपरांत किसी दूसरे शिक्षण संस्थान में दाखिला लेना चाहे तो तुरंत प्रभाव से उसकी फीस वापस की जाए। यूजीसी द्वारा तय किए गए नियमों के मुताबिक यदि कोई छात्र 30 सितंबर तक अपना एडमिशन कैंसल या वापस करता है तो उसके द्वारा भुगतान की गई पूरी फीस संबंधित शिक्षण संस्थान छात्र को वापस करेगा।

हालांकि ऐसा नहीं है कि 30 सितंबर के बाद फीस वापसी को लेकर छात्रों के पास कोई विकल्प शेष नहीं रहेगा। यूजीसी ने इसके लिए भी प्रावधान किया है। आयोग का कहना है कि यदि किन्हीं कारणों से छात्र समय रहते अपना दाखिला रद्द नहीं करवा सके या फिर फीस वापसी के लिए आवेदन नहीं कर सके तो यह प्रक्रिया 31 अक्टूबर तक भी की जा सकती है। 30 सितंबर के बाद 31 अक्टूबर तक अपना दाखिला रद्द करवाने पर छात्रों को एक निश्चित प्रोसेसिंग फीस का भुगतान करना होगा।

राज्य चुनाव आयोग ने नहीं दी संवेदनशील बूथों की जानकारी, हिंसा को लेकर बीएसएफ का बड़ा खुलासा

कोलकाता (आरएनएस)। पश्चिम बंगाल पंचायत चुनाव में हिंसा को लेकर सीमा सुरक्षा बल ने राज्य चुनाव आयोग पर बड़ा आरोप लगाया है। बीएसएफ के एक वरिष्ठ अधिकारी ने राज्य चुनाव आयोग पर जानकारी नहीं देने का आरोप लगाया है। अधिकारी ने कहा कि संवेदनशील मतदान केंद्रों पर बीएसएफ के बार-बार अनुरोध के बावजूद चुनाव आयोग ने ऐसे बूथों पर केंद्रीय सुरक्षा बलों को कोई जानकारी नहीं दी। बीएसएफ के डीआइजी एसएस गुलेरिया ने कहा कि सीमा सुरक्षा बल ने संवेदनशील मतदान केंद्रों की जानकारी मांगने के लिए राज्य चुनाव आयोग को कई पत्र लिखे थे, लेकिन 7 जून को छोडक़र और किसी दिन कोई जानकारी उपलब्ध नहीं कराई गई। गुलेरिया ने कहा कि केवल संवेदनशील बूथों की संख्या के बारे में बताया गया, लेकिन उनके स्थान या किसी अन्य जानकारी के बारे में कुछ नहीं बताया गया।

अधिकारी ने आगे कहा कि स्थानीय प्रशासन के आदेश पर बीएसएफ की तैनाती की गई थी। चुनाव ड्यूटी के लिए 25 राज्यों से केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) और राज्य सशस्त्र पुलिस की 59,000 टुकडिय़ां पहुंची थीं, लेकिन संवेदनशील मतदान केंद्रों पर उनका पर्याप्त उपयोग नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि राज्य ने केवल 4,834 संवेदनशील बूथ घोषित किए थे, जिन पर केवल सीएपीएफ तैनात थी, जबकि वास्तव में इससे कहीं अधिक संवेदनशील मतदान केंद्र थे।

चैत्र रामनवमी को रामलला के ललाट पर पड़ेगी सूर्य की पहली किरण

- गर्भगृह के बाहर मंडप की हो रही नक्काशी
- ट्रस्ट ने मंदिर निर्माण की गतिविधियों से पत्रकारों को कराया अवगत

अयोध्या (आरएनएस)। श्रीराम जन्मभूमि पर बन रहे रामलला के भव्य मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा की तैयारी शुरू हो गई है। जनवरी 2024 में मकर संक्रांति के बाद रामलला को गर्भगृह में विराजमान कर दिया जाएगा। ग्राउंड फ्लोर के गर्भगृह में रामलला अपने चारो भाइयों और हनुमान जी के साथ विराजमान होंगे। मंदिर के बाहर 8 एकड़ में परकोटा बनाया जा रहा है, जिसका आकार 800 गुणा 800 मीटर है। गर्भगृह के बाहर मंडप की नक्काशी की जा रही है। श्रीराम जन्मभूति तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सदस्य डा. अनिल मिश्रा ने बताया कि वर्ष 2024 में मकर संक्रांति के बाद शुभ मुहूर्त पर प्राण प्रतिष्ठा की जाएगी। पहली चैत्र राम नवमी पर सूर्य की किरण भगवान के ललाट पर पड़ेगी इसकी व्यवस्था की जा रही है। उन्होंने कहा कि ग्राउंड फ्लोर पर फर्श, लाइट और कुछ नक्काशी होना बाकी है। ज्यादातर काम पूरा कर लिया गया है। भगवान की मूर्ति का काम तय समय से पूरा कर लिया जाएगा। ग्राउंड फ्लोर पर फर्श, लाइट और कुछ नक्काशी होना बाकी है। ज्यादातर काम पूरा कर लिया गया है। भगवान की मूर्ति का काम तय समय से पूरा कर लिया जाएगा।

रविवार को मंदिर निर्माण की गतिविधियों से अवगत कराने के लिए पत्रकारों को बुलाया गया जिसमें बताया गया कि 162 खंभों पर राम मंदिर का भूतल तैयार किया गया है, जिसमें मंदिर के गर्भगृह कोली मंडप, गूढ़ मंडप, नृत्य मंडप, रंग मंडप व उत्तर और दक्षिण दिशा में कीर्तन मंडप के साथ गर्भगृह की परिक्रमा पथ को बनाया गया है। वहीं अष्टकोणीय बने गर्भगृह की भव्यता सफेद मकराना मार्बल से की गई है। जहां पर रामलला विराजमान होंगे और आने वाले श्रद्धालु 30 फीट की दूरी से दर्शन प्राप्त करेंगे। भूतल में बने मंडप को लेकर लगाए गए पीलर उनके गरिमा के अनुरूप होंगे। आर्किटेक्ट इंजीनियर चंद्रशेखर सोनपुरा ने बताया कि इन खंभों पर कला कृतियां उकेरी जा रही हैं। राम मंदिर ट्रस्ट के सहयोगी इंजीनियर गोपाल जी राव ने बताया कि खंभों पर उकेरी जा रही मूर्तियों के लिए केरल के कारीगरों को बुलाया गया है। वर्तमान में 40 कारीगर कर कार्य कर रहे हैं। जल्द ही इनकी संख्या 150 होगी। जिससे इस कार्य को समय पर पूरा किया जा सके। राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सदस्य कामेश्वर चौपाल ने बताया कि ग्राउंड फ्लोर में पांच मंडप हैं। मंडप राम मंदिर के आकर्षण का प्रमुख केंद्र होगा। मुख्य मंडप से भगवान की पताका फहराएंगे। ग्राउंड फ्लोर का ढांचा बनकर तैयार है। मंदिर के गर्भगृह की दीवार और छत बन चुकी है। फर्श और बाहर का काम बाकी है। मंदिर के ग्राउंड फ्लोर में 166 खंभों पर मूर्तियों को उकेरने का काम चल रहा है। मंदिर के गर्भगृह में लगे 6 खंभे सफेद संगमरमर के हैं, जबकि बाहरी खंभे पिंक सैंडस्टोन से बनाए गए हैं।गर्भगृह सहित ग्राउंड फ्लोर का ढांचा और छत तैयार है। आंतरिक सज्जा का काम चल रहा है। मंदिर के फर्स्ट फ्लोर का भी काम शुरू कर दिया गया है। कामेश्वर ने बताया, साल 2024 में चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की नवमी को राम नवमी के दिन भगवान का जन्म उत्सव मनाया जाएगा। राम जन्म के समय ठीक दोपहर 12:00 बजे सूर्य की किरण कुछ देर के लिए रामलला की मूर्ति पर पड़ेगी। इससे जन्म के समय रामलला का दर्शन बहुत ही दिव्य और भव्य होगा। खगोल शास्त्र के लोग इसे लेकर काम कर रहे हैं।